हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 सितंबर, 2025

तापमान
अधिकतम 36.4 डिग्री
न्यूनतम 23.9 डिग्री

11 हिंदी दिवस पर बोहर में विशाल हिंदी सम्मेलन हुआ

12 महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चल रही सरकार : सैनी

खबर संक्षेप

युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या

रोहतक। आजादगढ़ में एक युवक ने पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 19 वर्षीय भावेश हुड्डा ने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जब भावेश का भाई छत से नीचे आया तो भावेश का शव पड़ा मिला। इसके बाद उसने पिता को सूचना दी। पिता ने पुलिस को खबर दी। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस का कहना है कि जांच शुरू कर दी है।

यूआईईटी में इंजीनियरिंग डे पर कार्यक्रम आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी 15 सितंबर को नेशनल इंजीनियरिंग डे मनाएगा। यूआईईटी निदेशक प्रो. अश्वनी ढींगरा ने बताया कि एमडीयू कुलपति प्रो राजबीर सिंह बतौर मुख्य अतिथि इस अवसर पर शिरकत करेंगे। कार्यक्रम प्रातः 9.30 बजे से प्रारंभ होगा।

दुलहेड़ा माइनर में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

सांपला। गांव इस्माइला के पास दुलहेड़ा माइनर में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई में भिजवा दिया है। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक 35 वर्षीय व्यक्ति का माइनर में शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। बताया कि शव पीछे से पानी में बहकर आया है।

इकोनॉमिक्स विभाग करेगा ट्रेनिंग प्रोग्राम

रोहतक। मदिव का इकोनॉमिक्स विभाग करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल के सहयोग से 15 सितंबर से सात दिवसीय एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन करेगा। इकोनॉमिक्स विभाग के अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो राजबीर सिंह बतौर मुख्यातिथि इस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

रुड़की की बेटी मिनाक्षी हुड्डा के वर्ल्ड चैंपियन बनने पर गांव में जश्न का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव रुड़की की बेटी मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा भार वर्ग) ने विश्व मंच पर भारत का परचम लहरा दिया है। मीनाक्षी ने कजाकिस्तान की 3 बार की विश्व चौम्पियन नाजिम काइजेबे को रोमांचक मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय से हराकर वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। मीनाक्षी की जीत की खबर मिलते ही गांव रुड़की में जश्न का माहौल छा गया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर ग्रामीणों ने खुशी जताई और मिठाइयां बांटी। गांव के बुजुर्गों ने कहा कि मीनाक्षी ने हमारे गांव का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर दिया। गांव में अब उनके घर लौटने का बेसब्री से इंतजार है। ग्रामीणों ने ऐलान किया है कि गांव में पहुंचते ही मीनाक्षी का स्वागत किया जाएगा और ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली जाएगी। मीनाक्षी की जीत पर उनके परिजन भी फूले नहीं समा रहे हैं।

पूरे देश के लिए गर्व का क्षण : कोच विजय हुड्डा

बेटी की सफलता पर कोच विजय हुड्डा ने कहा कि मीनाक्षी ने कठिन परिश्रम और अनुशासन से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी जीत से भारत का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है। यह उपलब्धि आने वाले समय में और भी बड़ी सफलताओं की नींव बनेगी। मैच देखने पहुंचे भारतीय बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने मीनाक्षी को आशीर्वाद दिया और कहा कि आज मीनाक्षी ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि भारतीय बेटियां किसी से कम नहीं हैं। यह जीत न सिर्फ बॉक्सिंग के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। खेल प्रेरक अधिवक्ता राजनारायण पंघाल ने कहा कि मैंने पिछले कई वर्षों से भारतीय जूनियर और सीनियर बॉक्सरों को खेलते हुए देखा है। मीनाक्षी जैसी बेटियां देश की नई पहचान बना रही हैं। आने वाला दशक भारतीय बॉक्सिंग के लिए स्वर्णिम रहने वाला है।

मैच के समय ऑटो से सवारी उतार रहे थे मिनाक्षी के पिता, भावुक हो उठे

रुड़की गांव में ऑनलाइन लाइव मैच देखने का इंतजार कर रहे मीनाक्षी के पिता चौधरी कृष्ण हुड्डा उस समय अपने ऑटो से सवारी उतारने में व्यस्त थे और मैच की शुरुआत चूक गए। परिणाम पता चलते ही वे भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि यह वही ऑटो है जिसकी बदौलत घर का खर्च चला और मीनाक्षी की ट्रेनिंग संभव हो पाई। मैं इस ऑटो को कभी नहीं बेचूंगा, क्योंकि यही हमारी मेहनत और संघर्ष का सच्चा साथी है।

पानी की किल्लत से परेशान लोगों के सब्र का बांध टूटा

प्यास से बेहाल सलारा मोहल्ला, लोगों ने लगाया जाम, बोले- टैंकरों के सहारे कब तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पानी के बिना जिंदगी मुश्किल हो गई है, आखिर कब तक टैंकरों के सहारे जिएं। यह सवाल रविवार को सलारा मोहल्ला चौकी के पास गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर पूछा। लंबे समय से पानी की आपूर्ति ठप रहने से परेशान महिलाओं और युवाओं ने सड़क जाम कर दिया। हालात ऐसे बने कि पुलिस को मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाना पड़ा। पुलिस के आश्वासन पर जाम खोला, इस दौरान करीब डेढ घंटे तक यातायात बाधित रहा। लोगों का आरोप है कि पानी की सप्लाई रोककर विभाग और टैंकर मालिकों की सांठगांठ से गरीब जनता को मजबूर किया जा रहा है।

गौर करने वाली बात यह है कि जब मोहल्लेवासी सड़क पर गुस्सा निकाल रहे थे, उसी समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शहर के एक कार्यक्रम में पहुंचने वाले थे। लोगों का कहना था कि अगर मुख्यमंत्री शहर में होते हुए भी विभाग समस्या का समाधान नहीं कर रहा, तो आम जनता की सुनवाई और कब होगी। मोहल्ले के लोगों ने कहा कि पानी का टैंकर मंगवाना हर गरीब परिवार के बस की बात नहीं है। रोजाना 500 से 700 रुपये का खर्च उठाना कहां तक संभव है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में स्थानीय निवासियों ने विभाग पर आरोप लगाया कि जानबूझकर मोहल्लों की सप्लाई रोकी जाती है ताकि टैंकरों की मांग बढ़े और संचालक मोटी कमाई कर सकें। महिलाओं ने बताया कि नलों से पानी न आने की वजह से सबसे ज्यादा दिक्कत घर के कामकाज में हो रही है। बर्तन गंदे पड़े रहते हैं, बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता है। हमें कई बार पड़ोसियों या रिश्तेदारों से बाल्टी-बाल्टी पानी मांगना पड़ता है।

रोहतक। पानी की समस्या को लेकर रोड जाम करतीं सलारा मोहल्ले की महिलाएं।

रोहतक। लोगों को समझाते पुलिस अधिकारी।

रात को पार्षद के घर पहुंचा आक्रोश

शनिवार देर रात तेज कॉलोनी के लोग भी वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल के घर जा पहुंचे। रात को लोगों ने पार्षद को घेरते हुए कहा कि अब समस्या बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है। पार्षद नागपाल ने माना कि वह कई बार विभाग को लिखित और मौखिक शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता की वजह से हालात जस के तस हैं। उनका कहना है कि जब तक विभाग स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है।

चुनाव में वादा, हकीकत में धोखा

लोगों का कहना है कि हर चुनाव में नेताओं और अधिकारियों से यह वादा किया जाता है कि पानी की किल्लत खत्म की जाएगी। लेकिन हकीकत यह है कि सालों से मोहल्ले के लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। महिलाओं ने कहा कि सुबह-शाम पानी का इंतजाम करना उनकी जिम्मेदारी बन गई है। थक-हारकर वे ही बच्चों और परिवार की जरूरतें पूरी करती हैं। एक महिला ने कहा नेता हर बार आश्वासन देते हैं, लेकिन जब नल से पानी ही न आए तो घर कैसे चले।

पानी को लेकर चिंतित महिलाएं-

सुनीता देवी ने कहा कि हर सुबह पानी की चिंता से दिन शुरू होता है। बच्चों को तैयार करना तक मुश्किल हो गया है। रेखा ने कहा कि हम गरीब लोग टैंकर कैसे मंगवाएं। सुमन ने कहा कि हर बार अधिकारी कहते हैं पाइपलाइन दुरुस्त करेंगे, लेकिन सालों से हालात वही हैं। कुसुम ने कहा कि पानी मांगते-मांगते शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। आखिर कब तक यह समस्या सहें। दूसरी महिला ने गुस्से में कहा क्या अब पीने का पानी भी खरीदकर पीना पड़ेगा।

चांदी टोल पर फूटा किसानों का गुस्सा, दस घंटे तक फ्री करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को चांदी टोल टेक्स पर किसान नेताओं और आसपास के गांवों के लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। सुबह से ही ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पर डेरा डालकर वहां से गुजरने वाले वाहनों को टोल फ्री करवा दिया। किसान नेता गीता अहलावत भी मौके पर पहुंचीं और उन्होंने टोल कर्मियों को साफ कहा कि किसी से भी वसूली न की जाए। इस दौरान लोगों ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। खबर लिखे जाने तक टोल फ्री ही चल रहा था। स्थानीय लोग और किसान नेता साफ कह रहे हैं कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, यह आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि पास बनवाने की बाध्यता पूरी तरह गलत है और 20 किलोमीटर दायरे में आने वाले गांवों के लोगों से किसी भी प्रकार का टोल नहीं लिया जाना चाहिए। टोल प्रबंधन द्वारा आसपास के गांवों के लोगों को मासिक पास बनवाने का विकल्प दिया गया है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवस्था किसानों और आम नागरिकों के साथ अन्याय है। वे दलील देते हैं कि टोल के बिल्कुल करीब बसे गांवों के लोग रोजाना आवागमन करते हैं और उनसे पैसे वसूलना अनुचित है। लोगों का कहना है कि जब सड़क उनके ही गांवों से होकर गुजर रही है, तो उन पर अतिरिक्त बोझ क्यों डाला जा रहा है।

अबकी बार पीछे नहीं हटेंगे

ग्रामीणों और किसान नेताओं ने साफ कर दिया है कि यह लड़ाई अब आधी अधूरी नहीं छोड़ी जाएगी। उनका कहना है कि यदि सरकार और टोल प्रबंधन उनकी मांगों को तुरंत पूरा नहीं करता तो यह आंदोलन लंबे समय तक चलेगा। ग्रामीणों का कहना है कि रोजाना का टोल देना गरीब और मध्यमवर्गीय लोगों की जेब पर भारी पड़ता है। ऐसे में वे इस बोझ को और नहीं झेल सकते। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

मासिक पास बनवाएं

किसान नेता और ग्रामीणों ने रविवार को दसे घंटे तक टोल टेक्स को फ्री रखा है। लेकिन उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया है। वह मासिक पास बनवा सकते हैं और महीने में कितने भी चक्कर लगा सकते हैं। 350 रुपये का मासिक पास बनाया जाता है।

-लोकेंद्र कुमार, प्रबंधक, चांदी टोल

ग्रामीणों का तर्क है कि पहले भी इस मामले में सरकार और अधिकारियों से कई बार बातचीत की गई, लेकिन समाधान नहीं निकला। यही कारण है कि अब उन्होंने फिर से टोल फ्री करवाने का कदम उठाया है।

गांधी नगर पहुंचे हेमंत बक्शी, वारदात पर जताया रोष, कहा- पीड़ित परिवारों को सहायता दे प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांधी नगर क्षेत्र में आधी रात हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना ने जिला प्रशासन और पुलिस की पोल खोल दी है। रात 1 बजे हुई इस वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र अपराधियों के आगे पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है।

घटना के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हेमन्त बख्शी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने डीजे चालक गौरव को 21,000 रुपये और होटल मालिक पाली को 11,000 रुपये की मदद की। साथ ही जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि पीड़ित परिवारों को तात्कालिक आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। स्थानीय निवासियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि जब से गांधी कैम्प पुलिस चौकी को मेडिकल में शिफ्ट किया गया है, तब से यहां असामाजिक तत्वों का आतंक है। लोगों ने कहा कि प्रशासन और पुलिस की लापरवाही से अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब लोग रात 8 बजे के बाद घर से निकलने से डरते हैं।

रोहतक। पीड़ितों से हाल चाल पूछते हेमंत बक्शी।

सैनिक कॉलोनी में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फटा, एक व्यक्ति घायल

रोहतक। सैनिक कॉलोनी में रविवार शाम को एक गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। एक व्यक्ति भी घायल हो गया जिसे पीजीएमएस भर्ती कराया गया ।सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल केंद्र के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया ।जानकारी के अनुसार प्रवीण इस मकान में परिवार के साथ रहता है। शाम के समय में वह अकेला ही था और गैस पर खाना बना रहा था तभी गैस सिलेंडर ने आग पकड़ लिया धमाका हो गया।

रोहतक। हादसे के बाद घर में जला सामान और जांच करने पहुंचे पुलिसकर्मी।

BACHPAN PLAY SCHOOL
In Collaboration with
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL, JASSIA

सर्वजन हितकारी
चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी
पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा
78वें
जन्मदिन
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Dr. Ashok Duhan
Chairman
DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL JASSIA
M.: 94016148363
Branch – 1 : Basant Vihar, Gali No. 1, Sheela Bye Pass, Sonipat Road, Rohtak
Branch -2 : Kath Mandi, Jhajjar Road, Rohtak, M.: 7056765951

पीजीआई के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने किया इमरजेंसी वार्ड का दौरा, दिए निर्देश

मरीज गंभीर है तो डॉक्टर स्ट्रेचर पर जाकर ही लेंगे सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस ने हमें काफी मान सम्मान दिया है और यह हमारा परिवार चलाता है ऐसे में हमें इसे एक सिर्फ सरकारी संस्थान ना मानते हुए अपना घर मानकर कार्य करना चाहिए तभी हम यहां अच्छी साफ सफाई और मरीजों की सेवा दिल से कर पाएंगे। यह कहना है पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल का। वह रविवार को पीजीआईएमएस के आपातकाल विभाग में औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। निदेशक ने आपातकाल विभाग के हर कमरे का गहनता से निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। डॉ. सिंघल ने कहा कि आपातकाल में कई बार आने वाला मरीज अपने पैरों पर चलने में असमर्थ होता है ऐसे में इंटर्न चिकित्सक के पास ही जाकर स्ट्रेचर पर मरीज का सैंपल लेगा। उन्होंने कहा कि वह किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे कि मरीजों को बिना वजह किसी बात की अस्पताल के अंदर कोई परेशानी का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि इसके लिए लैब टेक्नीशियन भी नियुक्त किया गया है जो की मरीज के बेड पर ही जाकर उसके रक्त के सैंपल लेगा। इंटर्न के कमरे में मेडिकल वेस्ट डिस्पोज ऑफ करने की लिस्ट भी चस्पा की जाए।

रोहतक। इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण करते निदेशक डॉ. एसके सिंघल।

कमरे में बैड मिला तो सीनियर नर्सिंग अफसर पर कार्रवाई

डॉ. एस के सिंघल ने बताया कि सीनियर नर्सिंग अफसर को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी तभी वह दूसरों से कार्य ले सकती है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के अंदर कोई सोने नहीं आता है ऐसे में यदि चेंजिंग रूम में बेड नजर आए तो वह सीनियर नर्सिंग अफसर के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई करेंगे।

इमरजेंसी वार्ड में हर घंटे पोंछा लगे, नहीं तो नपेंगे सुपरवाइजर

निदेशक ने सख्त आदेश जारी किए गए हैं कि आपातकाल विभाग के अंदर हर घंटे में पोंछा लगाया जाए जिसकी जिम्मेदारी सफाई सुपरवाइजर की रहेगी और कोताही बरतने वालों पर वह हर हाल में कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि कई जगह आईवी स्टैंड बेड के साथ न होकर अलग रखे हुए हैं जिसके चलते सख्त आदेश दिए गए हैं कि हर बेड के साथ आईवी स्टैंड और अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आपातकाल और वार्डों के अंदर प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालें

डॉ. सिंघल ने कहा कि आपातकाल और वार्डों के अंदर प्रबंधन की जिम्मेदारी एएनस और सीनियर नर्सिंग अफसर की है कि वह अपने अधीन आने वाले कर्मचारियों के साथ मिलकर अस्पताल की साफ सफाई और प्रबंधन का विशेष तौर पर ध्यान रखें और इसे घर की तरह संभालें।

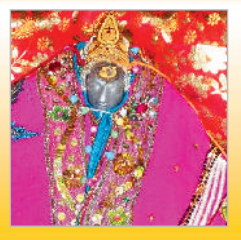

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जहाज कोठी, जो बन गई इतिहास का आईना

समुद्री जहाज़ जैसी आकृति के कारण इसे जहाज कोठी नाम मिला। आज यह क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है, जहां सिंधु-सरस्वती सभ्यता से लेकर मध्यकालीन मूर्तियों और स्थापत्य अवशेषों तक 193 दुर्लभ कलाकृतियां संरक्षित हैं।

धरोहर

डॉ. प्रियंका सौरभ

हिसार का फ़िरोज़ शाह पैलेस परिसर अपने आप में इतिहास का खज़ाना है। इसी परिसर में स्थित जहाज कोठी अपनी अनोखी बनावट और रोमांचक अतीत के कारण विशेष महत्व रखती है। 18वीं शताब्दी का यह जैन मंदिर बाद में विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बना।

हरियाणा के हिसार शहर का नाम सुनते ही सबसे पहले फ़िरोज़ शाह तुग़लक़ के महल, गुजरी महल, लोहारी गेट और बरसी गेट जैसे स्मारक सामने आते हैं। इन्हीं ऐतिहासिक इमारतों के बीच एक ऐसी कोठी भी खड़ी है, जिसका आकार समुद्र में तैरते जहाज़ जैसा प्रतीत होता है। यही है जहाज कोठी – जो कभी 18वीं शताब्दी का जैन मंदिर थी, फिर विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बनी और आज क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है। यह स्मारक न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि भारत के उस दौर का भी गवाह है जब मराठा, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक सत्ता के लिए संघर्षरत थे। जहाज कोठी का मूल स्वरूप एक जैन मंदिर था।

इतिहासकार मानते हैं कि 18वीं शताब्दी से पहले यहां जैन धर्मावलंबियों ने अपना मंदिर बनवाया था। समय के साथ यह इमारत वीरान होती गई और 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इसे जॉर्ज थॉमस ने अपने निवास में बदल दिया। इमारत की डिज़ाइन इतनी अनोखी है कि देखने पर यह समुद्र में तैरते जहाज़ जैसी लगती है। इसी विशेषता के कारण स्थानीय लोगों ने इसे जहाज कोठी नाम दे दिया। जॉर्ज थॉमस का जीवन किसी उपन्यास से कम रोमांचक नहीं था। उनका जन्म 1756 में आयरलैंड के रोस्क्रिया क्षेत्र में हुआ। पिता गरीब किसान थे जिनका जल्दी निधन हो गया। बाल्यावस्था में उन्होंने डबलिन के गोदीघाट पर मजदूरी की। 1781 में वे ब्रिटिश नौसेना से जुड़कर भारत आए, लेकिन कुछ ही सालों में उन्होंने नौसेना छोड़ दी और एक भाड़े के सैनिक के रूप में उत्तर भारत की राजनीति में उतर आए। शुरुआत में वे पिंडारियों से जुड़े, फिर बेगम समरू की सेना में काम किया। वहां से हटाए जाने के बाद मराठा सरदार अप्पा राव के अधीन कार्य किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग शक्ति तैयार की और सिरसा से रोहतक तक फैले क्षेत्र पर अपना शासन स्थापित कर लिया। हांसी को उन्होंने अपनी राजधानी बनाया और यहां तक कि अपने सिक्के भी ढलवाए। 1796 में उन्होंने जहाज कोठी को अपनी रिहायश के लिए बनवाया और इसे अपनी महत्वाकांक्षा और शक्ति का प्रतीक बनाया। लेकिन उनका शासन अधिक समय तक नहीं चल सका। 1801 में मराठा-सिख-फ्रांसीसी गठबंधन ने उन्हें हराया और 1802 में गंगा नदी पार करते हुए उनकी मृत्यु हो गई। जॉर्ज थॉमस के बाद जहाज कोठी पर कर्नल जेम्स स्किनर का अधिकार हुआ। जेम्स स्किनर एंग्लो-इंडियन थे, जिनकी मां भारतीय और पिता स्कॉटिश अधिकारी थे। उन्हें "सिकंदर साहिब" के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश सेना के लिए दो घुड़सवार रेजिमेंट खड़ी कीं – जिन्हें आज भी स्किनर्स हॉर्स के नाम से भारतीय सेना में जाना जाता है। उन्होंने भी जहाज कोठी को अपने निवास के रूप में इस्तेमाल किया। उनके जीवन से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि दिल्ली में स्थित प्रसिद्ध सेंट जेम्स चर्च (जिसे स्किनर ने बनवाया था) उनकी आस्था और शक्ति का प्रतीक है। जहाज कोठी को देखकर ऐसा लगता है जैसे कोई विशाल समुद्री जहाज़ ज़मीन पर खड़ा हो। इसका निर्माण जली हुई ईंटों, चूने, रेत और सुर्खी से हुआ है। सुर्खी जली हुई ईंटों या मिट्टी को पीसकर बनाई जाती है, जो गारे को मजबूती और टिकाऊपन देती है। इसकी ऊंची बालकनी से जब लोग पानी और नक्शे को देखते तो ऐसा प्रतीत होता मानो जहाज़ में बैठे हों। यह इमारत फ़िरोज़ शाह महल परिसर के भीतर स्थित है और कभी ठंडी सड़क से सीधे यहां पहुंचा जाता था। आज भले ही शहरीकरण के कारण इसका दृश्य बाधित हो गया हो, लेकिन इसके स्थापत्य को देखकर आज भी उस दौर की इंजीनियरिंग और सौंदर्यबोध का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

2009 में हरियाणा सरकार ने इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया और बाद में यहां क्षेत्रीय पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित कर दिया गया। इस संग्रहालय में लगभग 193 कलाकृतियां सुरक्षित हैं। इनमें सिंधु-सरस्वती सभ्यता से जुड़ी वस्तुएं, राखीगढ़ी, कुणाल और बनावली से प्राप्त टेराकोटा आकृतियां, चित्रित मिट्टी के बर्तन और सींग वाले देवता की मूर्तियां प्रमुख हैं। जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियां और जॉर्ज थॉमस का अंग्रेज़ी और फ़ारसी में शिलालेख भी संग्रहालय का हिस्सा हैं। जहाज कोठी का महत्व केवल स्थापत्य या संग्रहालय तक सीमित नहीं है। यह स्थान उस दौर का गवाह है जब भारत की धरती पर सत्ता संघर्ष चरम पर था। मराठे, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक अपने-अपने प्रभाव का विस्तार कर रहे थे और विदेशी साहसी भी यहां सत्ता स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। जहाज कोठी इस इतिहास की जीती-जागती निशानी है। आज यह स्मारक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और हरियाणा राज्य पुरातत्व विभाग की देखरेख में है। संरक्षण की दिशा में प्रयास जारी हैं, परंतु चुनौतियां भी कम नहीं हैं। आसपास के शहरीकरण और अनियोजित निर्माण के कारण इसका दृश्य बिगड़ गया है। यदि इसे सही तरीके से पर्यटन मानचित्र पर स्थान दिया जाए और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो यह हरियाणा ही नहीं, पूरे उत्तर भारत का प्रमुख आकर्षण बन सकता है।

जहाज कोठी केवल एक इमारत नहीं, बल्कि इतिहास, स्थापत्य और संस्कृति का जीवंत संगम है। यह हमें बताती है कि कैसे एक जैन मंदिर विदेशी साहसियों की रिहायश बना और आज संग्रहालय का रूप लेकर हमारे अतीत से जोड़ रहा है। इस स्मारक को देखकर हमें न केवल अपने इतिहास पर गर्व होता है बल्कि यह भी सीख मिलती है कि हर इमारत अपने भीतर एक युग की कहानी समेटे रहती है। जरूरत है तो बस उसे समझने और सहेजने की।

कविता | कृष्ण लाल गिरधर

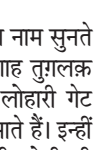

हर मानस नै मरणा हो सै

हर मानस नै मरणा हो सै, और धरती म्ह समावैगा।
गोद इसकी म्ह खेले खाए, आखर म्ह कित जावैगा?
राजा हो ,चाहे हो भिखारी, करती सब का माण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

देख्य सहनशील,रहा कर्म की माता, अन्न धन की खान है।
बख्त उठ चुचकारै इसनै, खेता म्ह जा किसान है।
देख्य दयावान, दानी कहावै, करती सब का कल्याण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

धीरज धरम सिखावण आली, अपनी छाती नै चीरै सै।
तन,मन, धन सब देकै अपना, बिन मांगे रहा जीवै सै।
देख्य कदै ना मरती, कदै ना डरती, रहा हर जीव का प्राण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

गुरुजन गौरव गान

गुरुजन हों सैं ज्योत ज्ञान की, इनके काज सुनहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इनकी काहणी कहरे सैं ।।

'अ' तैं अटल रहवै लक्ष्य पै, 'आ' तैं आच्छया, आभावान।
'इ' तैं इतिहास रुखाळा, बड्डी 'ई' जितणा ईमान-2
'उ' तैं उत्तम और अनुपम, बड्डे 'ऊ' तैं ऊंचा स्थान।
'ऋ' तैं ऋजु, 'ए' तैं एकाग्र, 'ऐ' तैं ऐतबार की खान -2
'ओ' तैं ओजस्वी-सा चेहरा, 'औं' तैं औचित्य गहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'क' तैं कर्मठ, कर्मशील यो, 'ख' तैं खुद्धारी का नाम।
'ग' तैं गहणा मेरे वतन का, 'घ' तैं घटी-बधी पै ध्यान-2
'च' तैं चरित्रवान, चटक यो, सदा रहवै चर्चा की ज्यान।
'छ' तैं तणकै छत्र खड़या यो, छात्र का बणकै अभिमान -2
'ज' तैं जनसेवक, जनप्रिय, 'झ' तैं झण्डे फ़हरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'ट' तैं टिक्का यो मस्तक का, 'ठ' तैं ठाठ-ठिठौली सै।
'ड' तैं डगर दिखावणियाँ यो, सबका दात्ता मेल्ली सै -2
'ढ' तैं ढाळ सुहेली-सी यो, किबै ढारा, किबै हेल्ली सै।
'त' तैं यो तकदीर बणावै, 'थ' तैं थावस गेल्ली सै-2
'द' तैं दयालु, 'ध' तैं धर्मी, 'न' तैं नरोत्तम कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'प' तैं प्रबुद्ध और पवित्र, 'फ़' तैं यो फ़ळदायी सै।
'ब' तैं बुद्धिमान घणा यो, हद तैं घणा सहाई सै-2
'भ' तैं भगत, भला माणस यो, और भाईयां का भाई सै।
'म' तैं मिलनसार, मितभाषी, 'य' तैं यथार्थ परछाई से -2
'र' तैं रक्षक यो मूल्यां का, 'ल' तैं लगनी कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'व' तैं यो विद्वान बताया, 'श' तैं शुभचिंतक क्षण का।
'ष' तैं यो षट्दर्श करावै, 'स' तैं संतोषी मन का -2
'ह' तैं हलीमी खींचणियाँ यो, और हिसाबी सै धन का।
हुनरबाज, होशियार, हिमाती, हितकारी से जन-जन का।
'फूल सिंह' फेर इसकै ऊपर, इतणे तगड़े पहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

धार्मिक नगरी | वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था

अंग्रेजों के साथ बेरी में भी हुआ था एक दिन का युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रापठय पुस्तकों मे बेरी-जहाजगढ़, रोहतक, खरखौदा आदि के युद्धों का उल्लेख नहीं किया गया, जबकि इन सभी उपरोक्त स्थानों पर रक्त रंजित युद्ध हुए हैं।

धार्मिक नगरी बेरी में भी एक दिन का भीषण युद्ध हुआ था। मुगल काल से ही बेरी-दुबलधन नाम से एक संयुक्त परगना कायम था तथा बेरी में एक छोटा किला भी मध्यकाल से ही बनाया गया था जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। आईने अकबरी पुस्तक में बेरी की गढ़ी का वर्णन प्राप्त होता है। उसी गढ़ी में बेरी के जाटों ने इकट्ठे होकर झज्जर के तत्कालीन शासक जॉर्ज थॉमस को ललकारा था। वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को एक आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था। जॉर्ज ने झज्जर में उपयुक्त सैनिक भर्ती करके जमींदारों से कड़ाई से लगान वसूलना आरम्भ कर दिया। इसका बेरी के किसानों ने न केवल विरोध किया बल्कि जॉर्ज से टकराने को भी तैयार हो गए। झज्जर में आए जॉर्ज को एक-दो वर्ष ही हुए थे कि उन्होंने शीघ्र ही तोपें, बन्दूक व काफी युद्ध सामग्री इकट्ठी कर ली। उधर, बेरी वासियों ने भी गढ़ी में आवश्यक तैयारी कर ली जिसके लिए उन्होंने बाहर से भी राजपूत युवक बुला लिए थे।

इंग्लिश की एक पुस्तक में बेरी के युद्ध का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है। जैसा बेरी वासियों को अन्देशा था, जॉर्ज ने वर्ष 1795 के अन्त में बेरी पर आक्रमण कर दिया। तब पूरी तैयारी के साथ बेरी वासियों ने गढ़ी से बाहर निकलकर जॉर्ज के सैनिकों में कत्लेआम मचा डाला और भारी हानि के साथ जॉर्ज की सेना पीछे हटनी आरम्भ हो गई। लेकिन उसके एक घायल सैनिक को बेरी वालों ने जिन्दा ही आग में फेंक दिया। बेरी वालों ने अपनी रणनीति के तहत काफी मात्रा में सूखे कंटीले पेड़-पौधे काटकर पहले से ही आग लगाने की योजना बना रखी थी। तब हारकर पीछे लौटते हुए जॉर्ज के सैनिकों ने अपने सैनिक को जिन्दा आग मे फेंकता देखकर फिर से साहस जुटाने का निर्णय किया और एक बार फिर से युद्ध होने लगा। इस बार बेरी वासियों को हार का सामना करना पड़ा। बेरी वासी आस-पास के जंगल को कूच कर गए तथा कुछ गढ़ी में लौटने लगे। लेकिन इस बार जॉर्ज के सैनिकों ने बेरी की गढ़ी में प्रवेश करके वहां भी कत्लेआम कर डाला। बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

बेरी के बाद अगले वर्ष जॉर्ज ने काहनौर वासियों से भी एक दिन का युद्ध लड़ा था। जॉर्ज थॉमस ने भी वर्ष 1797 में अपना मुख्यालय झज्जर की अपेक्षा हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। वहीं पर उसको वर्ष 1801 में मराठा सेना के सामने आत्म समपर्ण करना पड़ा था।

झज्जर जिले के कस्बा बेरी में स्थित माता भीमेश्वरी देवी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

फिर लौटेगा हरियाणवी फिल्मों का सुनहरा दौर : गीतू परी

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी सिनेमा जगत की मशहूर एक्ट्रेस और प्रॉड्यूसर गीतू परी अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' को लेकर आजकल काफ़ी चर्चा में हैं। गीतू परी ने वीडियो सॉन्ग बखत, जुगनी, फकीरा और हरियाणवी स्टेज ऐप की फिल्म '12वीं आला प्यार', चौधर-पार्ट 1 और 2, अखाड़ा 2, वनवास, बूढ़ी काकी, अहंकार के अलावा हरियाणवी चौपाल ऐप पर फिल्म 'कच्छे धारी' आदि फिल्मों में अभिनय के जौहर दिखाए हैं।

अभिनेत्री एवं निर्मात्री गीतू परी का जन्म हरियाणा के जिला गोहाना में कोहला गांव में पिता चतर सिंह और माता मायावती के घर में हुआ। जब वह 5 साल की थीं तब इनका परिवार जींद में रहने लगा। इनकी शुरुआती पढ़ाई जींद से ही हुई। जब ये आठवीं क्लास में थी, तब अभिनय में रुचि पैदा हुई और इन्होंने स्कूल में ही नाटकों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। दसवीं क्लास तक आते-आते इनकी शादी हो गई। शादी के बाद गीतू परी गृहस्थी में उलझ कर रह गईं पर एक्टिंग से दूर होने का दुःख उन्हें लगातार सालता रहा। ससुराल में उन्होंने विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए दिल्ली में 'आर्ट एंड क्राफ्ट' में टीचर की जॉब की। बाद में जॉब छोड़कर एक फैशन शो में हिस्सा लिया। शो के दौरान ही उन्हें एक फिल्म में एक्टिंग करने का ऑफर आया जिसमें एक मां का कैरेक्टर था। इसके लिए उन्हें अपने परिवार की स्वीकृति मिल गई और इस प्रकार 2017 में पहली बार गीतू परी फिल्म 'अनकही' में कैमरे से रुबरु हुईं। उसके बाद से वह अनवरत बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं और अभिनय के क्षेत्र में निरंतर सफलता की ऊंचाइयों को छू रही हैं। गीतू परी ने अपने परिवार, कला और अभिनय से सम्बंधित अनेक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। फिल्मों में आने के लिए उनका सबसे पहला संघर्ष उनके अपने परिवार से था। पहले तो उनके मायके पक्ष या ससुराल पक्ष ने उनको सपोर्ट ही नहीं किया था। गीतू परी बताती हैं कि 'मेरे अंदर कहीं ना कहीं एक जज्बा था कि मुझे एक्टिंग लाइन में काम करना है, बच्चे बड़े होने के बाद अपने हस्बैंड के सपोर्ट से मैंने फिर से एक्टिंग लाइन में कदम रखा।' गीतू परी अभिनय के साथ फिल्म निर्माण से भी जुड़ी रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने और हरियाणवी इंडस्ट्री ने मुझे इतना प्यार और सहयोग दिया है। हरियाणा में सिनेमा को लेकर बहुत अच्छा काम हो रहा है। मैंने कई फिल्में लिख रखी हैं, उन सब फिल्मों को पर्दे पर उतारने की मेरी पूरी पूरी कोशिश रहेगी। हरियाणवी सिनेमा की स्थिति के बारे में पूछने पर गीतू परी कहती हैं कि फिल्म 'चंद्रावल' ने अपने समय में एक मुकाम हासिल किया था और उसके काफी टाइम बाद राजीव भाटिया की फिल्म 'पगड़ी' से एक उम्मीद जागी और फिर संदीप शर्मा की फिल्म सतरंगी और यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' ने वही फिल्म चंद्रावल जैसा माहौल थियेटर में बना दिया।

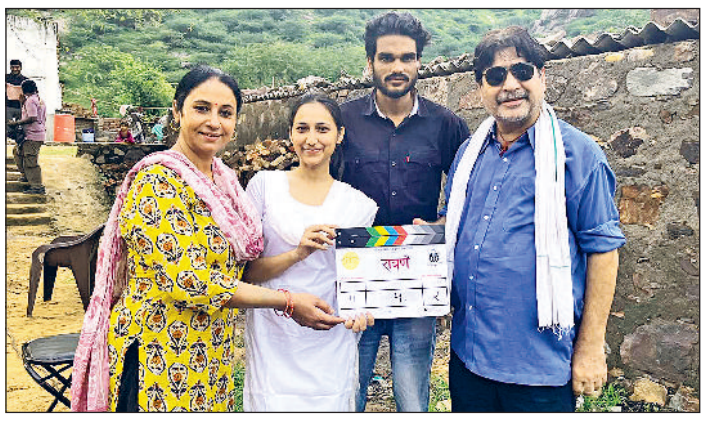

फिल्म 'दादा लख्मी' से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा के निर्देशन में बनी हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लख्मी' गीतू परी के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म को राष्ट्रीय अवार्ड समेत सैकड़ों देशी-विदेशी अवार्ड मिले हैं। इस फिल्म से गीतू परी को भी ब्रेक मिला। अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' के विषय में गीतू परी ने बताया कि हरियाणवी स्टेज पर उनकी आने वाली फिल्म 'सांगी' हरियाणवी संस्कृति को दर्शाती है। इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें हैं। वे बताती हैं कि यह एक जूनूनी बच्चे की स्टोरी है। इसमें बहुत सारे नए और पुराने कलाकारों ने काम किया है। इस फिल्म में 12 गाने हरियाणा के लोगों को देखने और सुनने को मिलेंगे। यह कहानी अपने आप में पूरे हरियाणा को समेटे हुए होगी। वह करीब दो साल से इस स्टोरी पर काम कर रही थी। इसके डायरेक्टर रविंद्र बजवान अन्ना हैं जिन्होंने फिल्म को बहुत अच्छे से डायरेक्ट किया है। गीतू के आगामी प्रोजेक्ट में बाबा जी की कुटिया, छन्नू ताई ,खजनी शेरगढ़ वाली, आदि कई वीडियो गीत और शार्ट फिल्में हैं। फिलहाल इन पर काम चल रहा है। वर्तमान में ओटीटी प्लेटफार्म आने से थियेटर वालों के लिए चिंता बढ़ी है, ऐसी स्थिति में गीतू परी को नहीं लगता है कि ओटीटी आने से थियेटर पर कोई असर पड़ेगा क्योंकि थिएटर पर ढाई से 3 घंटे की फिल्म देखी जाती है और ओटीटी पर शॉर्ट फिल्म, वेब सीरीज, आदि ने अपनी जगह बनाई हुई है। ओटीटी के आने के बाद भी लोग थियेटर में जाकर फिल्म देखना पसंद करते हैं।

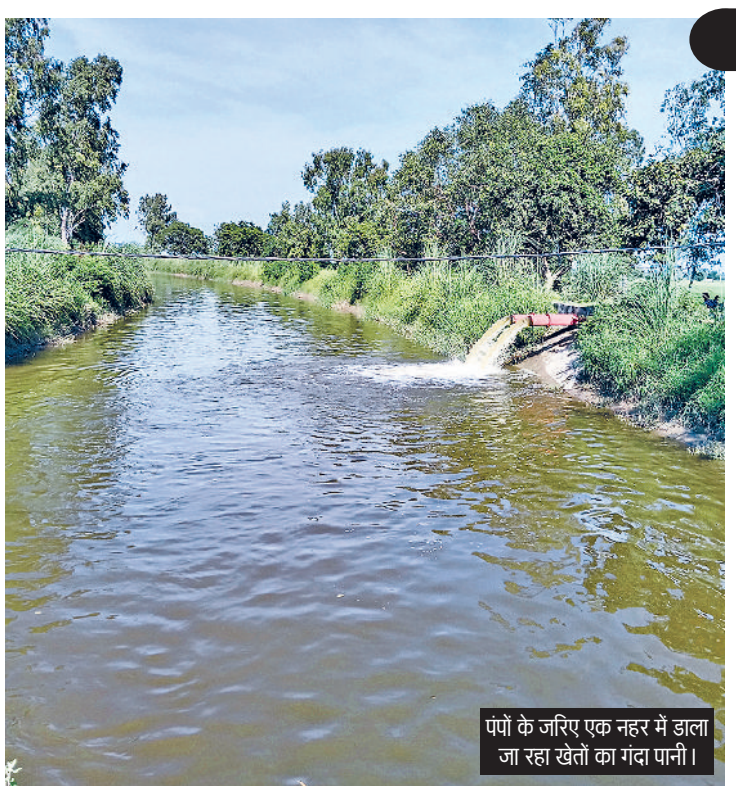
पंपों के जरिए एक नहर में डाला जा रहा खेतों का गंदा पानी।

पानी का ट्रीटमेंट जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के लिए चुनौती

खेतों में सड़ रहा खतरनाक केमिकल युक्त पानी अब नहरों से जलघरों के जरिए पहुंचेगा आपके घर

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

अत्यधिक बारिश की वजह से प्रदेश के ज्यादातर जिले जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। पिछले कुछ दिन से बारिश की गतिविधियों में कमी आई है, बावजूद इसके प्रदेश की अधिकतर ड्रेन ऑवर फ्लो चल रही हैं। क्योंकि किसान खेतों से पानी की निकासी में जुट गए हैं।

- खाज-खुजली व अन्य बीमारियां फैलने की आशंका, सप्लाई के पानी को सोच समझकर करें इस्तेमाल

नहरों के साथ साथ लगते इलाकों में भले ही सिंचाई विभाग ने पंप हाऊस बंद किए हुए हैं, लेकिन किसान चोरी छिपे पानी निकासी के काम में लगे हुए हैं। फिलहाल बारिश से धान की फसल बर्बाद हो गई है, लेकिन गेहूं की फसल की बिजाई समय पर हो सके इसके लिए किसान जल्द खेत से पानी निकालना चाहता है। जहां पर ड्रेन नहीं हैं, वहां पर नहरों के जरिए ही खेतों के पानी की निकासी शुरू हो पाएगी। रात के समय किसानों ने नहरों पर पंप चालू कर दिए हैं।

बीमारियों की आशंका

नहरों में पंपों के जरिए खेतों का सड़ा हुआ और कैमिकल युक्त पानी डाला जा रहा है और आने वाले दिनों में इस गंदे पानी की मात्रा में इजाफा होने वाला है। जहां पर जलघरों के वाटर टैंक खाली हो जाएंगे, उनको नहरों में आ रहे गंदे पानी से ही भरा जाएगा और यह कैमिकल व गंदगी युक्त पानी जलघर के जरिए लोगों के घरों तक पहुंचेगा। जनस्वास्थ्य विभाग के पास कैमिकल युक्त पानी का ट्रीटमेंट करने के इंतजाम नहीं हैं। यह पानी पीकर लोगों के बीमार होने का खतरा पैदा हो सकता है। इस पानी में नहाने से खाज खुजली हो सकती है।

जारी हो गाइड लाइन

प्रदेश के जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के हित में एक गाइड लाइन जारी करनी चाहिए। जिसके जरिए उनको बताया जाना चाहिए, कि नहरों में चल रहे गंदे पानी से बचाव के लिए उनको क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिएं। क्योंकि जलघरों में केमिकल युक्त और सड़ा हुआ पानी पहुंच रहा है। जिन बस्तियों में लोग आरओ का प्रयोग नहीं करते, ऐसे स्थानों पर टैंकरों के जरिए शुद्ध पानी विभाग द्वारा सप्लाई किया जाना चाहिए। ताकि लोग बीमार होने से बच सकें।

घर-घर पहुंचेगा जहर

अधिक पैदावार लेने के लिए किसान अपने खेतों में फसलों पर रसायनिक दवाइयों और यूरिया का छिड़काव करते हैं। धान की फसल पर किसान इन केमिकल पदार्थों का प्रयोग कर चुका था। उसके बाद खेतों में अत्यधिक बारिश से जलभराव की स्थिति आ गई। अब खेतों से पानी की निकासी नहरों के जरिए की जाएगी और यह केमिकल युक्त पानी शहरों और गांवों के जलघरों में पहुंचेगा।

स्वच्छ करने की तकनीक है नहीं

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग में एसडीओ के पद रहे एक अधिकारी ने बताया कि इस विभाग के पास रेतीले पानी को फिटकरी डालकर साफ करने की तकनीक तो है। बारिश के रेतीले पानी का शुद्धिकरण करने के लिए पानी में फिटकरी डाल दी जाती है, जिस वजह से रेत भारी होकर नीचे बैठ जाता है। इसके अलावा जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग पानी के हार्मफुल बैक्टिरिया को मारने के लिए ब्लीचिंग पाउडर डालता है या फिर क्लोरिन दवा डाली जाती है। यदि क्लोरिन और ब्लीचिंग पाउडर अधिक मात्रा में डाल दिया जाए तो वह कैंसर आदि गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। विभाग के पास कैमिकल युक्त पानी के ट्रीटमेंट की कोई विशेष विस्तृत योजना नहीं है। हालांकि आरओ के जरिए केमिकल युक्त पानी को शुद्ध किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

श्रीबालाजी धाम डोभ पर निकाली पैदल ध्वजा यात्रा

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श्रीबालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 9 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्रीबालाजी धाम डोभ के लिये चलती हैं। धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जांच शिविर व कढ़ी चावल भंडारा लगाया जाता हैं श्रीदुर्गा भवन मंदिर से प्रधान ने ज्योत प्रचण्ड कर के यात्रा कि शुरुआत की सभी हाथ में ध्वजा लिए जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये श्रीबालाजी धाम डोभ पहुंचे।

सीएमआईई डेटाबेस पर एक दिवसीय कार्यशाला

रोहतक। मदवि के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विवेकानंद पुस्तकालय के सहयोग से सीएमआईई डेटाबेस के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के कौटिल्य संगोष्ठी कक्ष में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न शिक्षण विभागों से लगभग 80 शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. बी. नरसिम्हन, निदेशक, आईक्यूएसी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने शोधार्थियों और शिक्षकों को ई-डेटाबेस एवं डिजिटल संसाधनों के अधिकतम प्रयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज के अनुसंधान क्षेत्र में डेटा आधारित अध्ययन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

1957 के हिंदी रक्षा आंदोलन की यादें ताजा, आर्य समाज बोहर ने किया आयोजन

हिंदी दिवस पर बोहर में विशाल हिंदी सम्मेलन 450 सत्याग्रहियों व परिजनों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य समाज बोहर के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर एक विशाल हिंदी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1957 के हिंदी रक्षा आंदोलन से जुड़े 450 सत्याग्रहियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य विजयपाल ने की। उन्होंने कहा कि 1957 में पंजाब के हिंदी भाषी क्षेत्रों पर पंजाबी भाषा थोपने के विरोध में चला यह आंदोलन केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्वरूप का था। इसमें 50 हज़ार से अधिक सत्याग्रहियों ने भाग लिया और अंतत पंजाब सरकार को उनकी मांगें माननी पड़ीं। आचार्य विजयपाल ने कहा कि आंदोलनों के बिना संस्थाएं मृतप्राय हो जाती हैं और आर्य समाज ने हमेशा समाज उत्थान की अग्रणी भूमिका निभाई है। कार्यक्रम का मंच संचालन और संयोजन कृष्णदेव शास्त्री ने किया। उन्होंने बताया कि हिंदी दिवस पर हुए इस आयोजन का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ। मुख्य यजमान वार्ड-10 की पार्षद मनीषा नांदल धर्मपत्नी सुमित नांदल, आचार्य यशवीर और डॉ. विनोद हुड्डा रहे। महादेव शास्त्री ने ऐतिहासिक तथ्यों को याद करते हुए कहा कि 13 जुलाई 1957 को तत्कालीन पंजाब सरकार ने आंदोलन की खबर प्रकाशित करने पर वीर प्रताप अखबार की पंजाब में बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज स्वयं निरक्षर होने के बावजूद आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए यह सफल आंदोलन कर गए। वहीं महावीर शास्त्री ने कहा कि अंग्रेजी को सह राजभाषा बनाकर देशवासियों के साथ छल किया गया है। डॉ. जगदेव सिंह ने स्वामी आत्मानंद, स्वामी ओमानंद, पंडित जगदेव सिंह सिद्धान्ती, प्रो. शेरसिंह, प्रिंसिपल भगवान दास अंबाला, महाशय भरत सिंह वानप्रस्थी, डॉ. नारायण दास ग्रोवर, वैद्य बलवंत सिंह बलियाणा के योगदान को याद किया।

- अंग्रेजी को सह राजभाषा बनाकर देशवासियों के साथ छल

अलग-अलग जिलों से इतने लोगों को किया सम्मानित

सम्मेलन में गांव बोहर से 25, बालियाना से 40, खरावड़ से 12, आसन से 15, हुमायूंपुर से 5, टिटौली से 10, सांघी से 15 तथा खिड़वाली, कासंडा, सोनीपत, पानीपत, हिसार व झज्जर जिलों से भी बड़ी संख्या में सत्याग्रही परिवार शामिल हुए।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर बहु उद्देशीय सभागार का शिलान्यास भी किया गया। स्वागत में नांदल खाप के प्रधान ओमप्रकाश नांदल, संजीत नांदल, संचित नांदल, लोकहित संस्था के चंचल नांदल और डॉ. योगेश नांदल आगे रहे। सम्मेलन में धनीराम आर्य, डॉ. गोपाल (प्रिंसिपल), महादेव (प्रिंसिपल), प्रवीण शास्त्री (खेड़ी आसरा), प्रेम सिंह नांदल, महाशय हरिसिंह आर्य, मनफुल, चंद्र सिंह आर्य, हिंदी सत्याग्रही सतीश कौशिक, अरुण आर्य बोहर, रोहतास राणा, पुनीत आर्य (पंचकूला), रामदेव आर्य बोहर, डॉ. योगेश नांदल, मनजीत आर्य, सत्यदेव शास्त्री (गुरुग्राम) सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

महिला महाविद्यालय में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय के सरस्वती छात्रावास के सभागार में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय एवं स्पंदन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ शमशेर सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कवि सम्मेलन के संयोजन का उत्तरदायित्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार का रहा। इसके साथ ही हिंदी विभाग के डॉ विशाल कुमार की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विकास 'यशकीर्ति' ने अपनी बेटियों को जागरूक करते हुए कहा बड़ी नादान है तू, काम कर बेमेल ना, बिटिया। तू अपने बाप की इज़्ज़त से ऐसे खेल ना, बिटिया। गीतकार देशराज 'देश' ने मोबाइल पर बढ़ती जा रही निर्भरता पर चिंता जताते हुए इसके संयमित उपयोग का संदेश देते हुए कहा भूल गए हैं खुद को सारे, भूल गए

हम कौन हैं? जिधर भी देखूं सब हाथों में, मुझको दिखता फोन है। वरिष्ठ कवि बलबीर सिंह ढाका और संदीप सिंह 'बांवरा' ने हरियाणवी बोली में अपनी रचनाओं के माध्यम से बदले हुए सामाजिक परिवेश के साथ ही समाज में महिलाओं के योगदान की तरफ श्रोताओं का ध्यान दिलाया। युवा कवि जतिन मलिक ने अपनी ओजपूर्ण वाणी में हरियाणवी कविताओं के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा और हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

राजकीय आईटीआई में हिंदी दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रोहतक। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग हरियाणा द्वारा निर्देशित उद्यमिता पखवाड़ा के तत्वावधान में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजकीय आईटीआई में करवाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के एनसीसी अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों को राष्ट्रीय भाषा हिंदी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारे देश और प्रदेश का गौरव है। हिंदी के प्रचार और प्रसार में हम सभी को सहयोग करना चाहिए।

एमडीयू में सेवानिवृत्त शिक्षक संघ की बैठक

- सेवानिवृत शिक्षकों के कल्याण और भविष्य की योजनाओं पर किया विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के फैकल्टी हाउस में एमडीयू सेवानिवृत्त शिक्षक संघ की आम सभा की पहली बैठक आज आयोजित की गई, जिसमें संघ के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर विचार किया गया। इस के साथ साथ सेवानिवृत्त शिक्षकों के कल्याण और विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में सर्व सम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिनमें प्रो. के.पी.एस. महलवार अध्यक्ष और प्रो. अमर वर्मा महासचिव चुने गए। कार्यकारिणी के लिए प्रो. जगदीश नांदल, प्रो. अंजू खन्ना, प्रो. देसराज, प्रो. तिलक राज, प्रो. हरीश कुमार एवं प्रो. संजू नंदा को कार्यकारी सदस्य के रूप में सर्व सम्मति से चुना गया।

संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रो. महलवार ने सभी आमंत्रित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सेवानिवृत्त शिक्षकों के कल्याण और हितों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा संघ सेवानिवृत्त शिक्षकों को अपने अनुभव, विशेषज्ञता और विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करने और साझा लक्ष्यों की दिशा में मिलकर काम करेगा।

हमारा उद्देश्य सेवानिवृत्त शिक्षकों के हितों की रक्षा करना और उनके कल्याण को बढ़ावा देना है। हम विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि सेवानिवृत्त शिक्षकों के अधिकारों और हितों की रक्षा हो सके। हमें विश्वास है कि हमारे संयुक्त प्रयासों से हम सेवानिवृत्त शिक्षकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकेंगे।

पीजीआई में दूसरी बिल्डिंग तक जाने के लिए मरीज करें ई-रिक्शा का प्रयोग

- मरीज किसी भी समय इनका मुफ्त उपयोग कर सकते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस परिसर काफी बड़ा है ऐसे में मरीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए अक्सर परिजन स्ट्रेचर या व्हीलचेयर का प्रयोग करते हैं, जिससे मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

मरीजों की इसी समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रतिदिन एक ई रिक्शा ओपीडी के बाहर और दूसरी ई रिक्शा इमरजेंसी के बाहर तैनात रहती है जो मरीजों के लिए निशुल्क उपलब्ध है। जब भी कोई मरीज संस्थान के अंदर एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में जाना चाहे तो वह आसानी से इस ई रिक्शा को फ्री में संस्थान के अंदर ले जा सकता है। हमें सरकार द्वारा प्रदान की जा रही इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए ताकि मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

यह कहना है पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल का। वे रविवार को चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में हरिओम सेवा द्वारा संस्थान को दान की गई 15 व्हील चेयर के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए निदेशक डॉ एस के सिंघल ने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि कुलपति डॉ एच के अग्रवाल के दिशा निर्देशन में अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए और मरीजों को भी इन सुविधाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले काफी समय से यह ई रिक्शा मरीजों के लिए उपलब्ध हैं उसके बाद भी देखने में आता है कि अक्सर मरीजों के परिजन इसका प्रयोग नहीं करते इसलिए हमें जागरूक होना चाहिए और इन ई रिक्शा का प्रयोग मरीजों को शिफ्ट करने में करना चाहिए।

पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा काजल

महम। राजकीय महाविद्यालय महम के मनोविज्ञान विभाग द्वारा सुसाइड प्रीवेंशन थीम पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य सत्यव्रत और रोहित कुमार द्वारा विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए जीवन की कठिन परिस्थितियों का सकारात्मक ढंग से सामना करने के लिए प्रेरित किया। यह प्रतियोगिता विभाग अध्यक्ष डॉ. वर्षा रानी की देखरेख में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कुल 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका दीपक कुमार, सुरेश कुमार, भूपेंद्र सिंह शिल्पी के द्वारा निभाई गई।

तीव्र बदलाव के युग में रणनीति, नवाचार और तत्परता पर किया मंथन

भारतीय प्रबंध संस्थान में प्रबंधन शिखर सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) ने प्रबंधन शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय "रणनीतिक बदलावों का मार्गदर्शन : तीव्र परिवर्तन के युग में तत्परता, नवाचार और रणनीतिक बदलाव" था। इस अवसर पर 300 से अधिक विद्यार्थी तथा उद्योग जगत के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता उपस्थित रहे। जिसमें देश की नामी निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। यह सम्मेलन तीव्र गति से बदलते व्यापारिक वातावरण में तत्परता, धैर्य और उद्देश्य पर विचार-विनिमय का प्रमुख मंच बना। आईआईएम के निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा ने छात्रों की मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन उद्योग और शिक्षा जगत के रिश्तों को मजबूत करते हैं। उन्होंने कोविड-19 के बाद कार्यस्थल पर आए बदलावों का जिक्र करते हुए बताया कि अब कर्मचारियों के लिए कल्याण, लचीलापन और समावेशन बेहद जरूरी हो गए हैं। साथ ही उन्होंने उपभोक्ता व्यवहार पर प्रकाश डाला और कहा कि पहले की पीढ़ियां भौतिक संपत्ति को प्राथमिकता देती थीं, जबकि आज का युवा अनुभव, यात्रा और व्यक्तिगत विकास को अधिक महत्व देता है। उनके विचारों ने नेतृत्व, प्रतिभा और समावेशन पर नए दृष्टिकोण की दिशा तय की।

सम्मेलन में चार मुख्य परिचर्चाएं आयोजित की गई

पहली परिचर्चा "रणनीतिक लचीलापन : पारंपरिक ढांचों से आगे व्यापार मॉडल की नई सोच" पर केंद्रित थी। इसमें नेतृत्वकर्ताओं ने बताया कि तेजी से बदलते बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कंपनियों को चुस्त रहना होगा। एक नेतृत्वकर्ता ने कहा "संस्थाओं को अब लचीला होना ही होगा, वरना वे पीछे रह जाएंगी।" चर्चा में अनुसंधान व विकास में निवेश, आंकड़ों का जिम्मेदारी से उपयोग और अस्थायी घटनाओं की बजाय स्थायी रुझानों पर ध्यान देने की बात कही गई।

दूसरी परिचर्चा "ब्रांडिंग का बदलता भविष्य: व्यवधान और शोर के दौर में मार्केटिंग की तैयारी" पर आधारित थी। इस चर्चा में ब्रांड की प्रासंगिकता बनाए रखने के उपायों पर विचार हुआ। नेतृत्वकर्ता ने कहा कि बदलते समय के साथ तालमेल रखते हुए मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्टता, पारदर्शिता और सह-निर्माण पर बल दिया और निष्कर्ष निकाला कि स्थायी ब्रांड वही हैं जो परिवर्तन को निरंतर प्रक्रिया मानते हैं।

तीसरी परिचर्चा "रणनीतिक जन-योजना : प्रतिभा-आधारित अर्थव्यवस्था में कर्मचारी मूल्य की पुनर्परिभाषा" पर केंद्रित थी और इसमें तकनीकी रूप से सक्षम विविध कार्यबल के लिए कर्मचारी मूल्य प्रस्ताव को नया रूप देने पर चर्चा हुई। चर्चा में लचीलापन, कल्याण और उद्देश्यपूर्ण लक्ष्यों के साथ-साथ तकनीक के माध्यम से व्यक्तिगत करियर यात्रा बनाने की भूमिका पर बल दिया गया। यह भी कहा गया कि कर्मचारियों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि सहभागी के रूप में देखा जाना चाहिए।

चौथी परिचर्चा, "प्रतिभा 3.0 : अव्यवस्था के वातावरण में क्षमता, नवाचार और निरंतरता का संवर्धन" पर केंद्रित थी और इसमें संगठनों द्वारा ऐसे तंत्र बनाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई जो प्रयोग की भावना, विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और आत्म निर्देशित करियर विकास को बढ़ावा दें। निष्कर्ष यह रहा कि उद्देश्य, तत्परता और सतत शिक्षा की संस्कृति से ही भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम कार्यबल तैयार किया जा सकता है।

hartron
ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks)
17.	C Plus Plus With Dops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks)
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

खबर संक्षेप

हिल्स हाफ मैराथन में बिमला रही तृतीय

रोहतक। महाराष्ट्र के सतारा में हुई प्रसिद्ध सतारा हिल्स हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर)में रोहतक रनर्स ग्रुप की सुपर स्टार बिमला बनवाला ने अपने आयु वर्ग (55-60 वर्ष) में तीसरा स्थान प्राप्त किया। चंद्रपाल बनवाला और नरेंद्र राम का प्रदर्शन भी शानदार रहा।

नवीन जयहिंद मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिले

रोहतक। झुग्गी झोपड़ियों को तोड़ने के मामले में समाजसेवी नवीन जयहिंद पीड़ित परिवारों को साथ लेकर सीएम नायब सिंह सैनी से मिले। उन्होंने बताया कि इन गरीब लोगों को कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को आदेश दिए कि इन गरीब लोगों को किसी भी प्रकार कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए जयहिन्द ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

महम। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित करते शिविर के आयोजक।

शिविर में 51 युवाओं ने किया रक्तदान

महम। श्री राम सेकेंडरी स्कूल महम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्कूल संचालक रमेश गिरधर व प्रिंसिपल कनिका गिरधर की बेटी डॉ. अपूर्वा गिरधर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित किया गया। इस शिविर में 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस शिविर का उद्घाटन सेवानिवृत्त शिक्षक कर्मवीर सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बसन्त लाल गिरधर ने की। इस शिविर में रवींद्र, गौरव बतरा, सोनू, विकास, गुरुचरण, गोबिन्द, रामनिवास, अमित, अजय, पवन, शक्ति गोयल, साहब सिंह, रविकांत, सुमित व नरेन्द्र ने रक्तदान किया। रमेश गिरधर ने कहा कि हमें शुभ अवसरों पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर राजेश ढींगरा, राकेश शर्मा, मुनीश खुराना, पार्षद बॉबी गोयल, वेद प्रकाश धवन, दिनेश गुप्ता, रामपाल शर्मा, विजय शर्मा, रवि काला, यश, अंजनी वत्स, राज कुमार गेरा, विनोद, अनिता, सोनिया, मधु, मीनाक्षी समेत कई शहरवासी मौजूद थे।

सैनी शिक्षण संस्था के 75वें स्थापना वर्ष पर बोले सीएम नायब सैनी

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चल रही सरकार: मुख्यमंत्री

■ सीएम नायब सैनी बोले महात्मा ज्योतिबा फुले ने कहा था कि शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का कर सकती है उत्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए सरकार हरियाणा एक-हरियाणवी एक की भावना से कार्य कर रही हैं। महात्मा ज्योतिबा फुले ने कहा था कि शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का उत्थान कर सकती है। मुख्यमंत्री रविवार को सैनी शिक्षण संस्था के 75 वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि इसी प्रकार संत लिखमीदास, बल्लभगढ़ रियासत के सेनापति गुलाब चंद सैनी, बिहार में सामाजिक क्रांति के सूत्रधार बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा जैसे समाज सेवक, हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद कुशवाहा जैसे खिलाड़ी तथा चंडीगढ़ स्थित रॉक गार्डन के निर्माता पदश्री नेकचंद सैनी जैसे कलाकार भी इसी समाज की देन हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में भी सैनी समाज का बड़ा योगदान रहा है। आजाद हिन्द फौज के सेनानी सरदार महंगा सिंह सैनी व अजीत सिंह सैनी तथा हरि सिंह सैनी जैसे स्वतंत्रता सेनानी भी इसी समाज ने दिए हैं।

शिक्षा सभी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम : राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि शिक्षा सभी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम है तथा समाज की प्रगति का आधार है। सैनी समाज प्रगतिशील समाज है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की संसद में भी तारीफ होती है। वे दिन-रात प्रदेश की जनता के हित में कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को अनाज मंडी में भगवान विश्वकर्मा जयंती के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने सैनी शिक्षण संस्था को अपने स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रकी राशि देने की घोषणा की।

जनता के दुख को दूर करने के लिए तत्पर रहते हैं सीएम

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर समय जनता की दुख तकलीफ को दूर करने के लिए तत्पर रहते है। मुख्यमंत्री आज महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए हर बच्चे को शिक्षित करने के सपने को साकार कर रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल निरंतर सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर चलते हुए गरीबों के कल्याण की दिशा में कार्य कर रहे है।

सर्व समाज के थे ज्योतिबा फुले

अखिल भारतीय सैनी समाज के अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने इसी स्कूल से शिक्षा ग्रहण की है। महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रेरणा से इस शिक्षण संस्था की नींव रखी गई थी। समाज ने पूरी मेहनत व निष्ठा से आगे बढ़ाया है। महात्मा ज्योतिबा फुले सर्व समाज के थे तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी सर्व समाज की भलाई के कार्य में लगे हुए है।

इस मौके पर सैनी शिक्षण संस्था के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने मुख्यमंत्री एवं अन्य विशिष्ट गण का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री इस संस्था पर हमेशा अपना स्नेह व आशीर्वाद बनाए रखें। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व

कार्यक्रम के विशिष्टगण को स्मृतिचिन्ह व पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षण संस्था के विद्यार्थियों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई तथा कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

समारोह में ये रहे मौजूद

समारोह में मेयर रामअवतार वाल्मीकि, राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी, मदविकुलपति प्रो. राजबीर सिंह, जींद स्थित चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामपाल सैनी, पंडित भगवद दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, भाजपा के जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, सैनी शिक्षण संस्था के प्रधान अवनीश कुमार सैनी, ऑल इंडिया सैनी समाज के अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी, एशिया कबड्डी फेडरेशन के अध्यक्ष गुलाब सिंह सैनी, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जवाहर सिंह, संस्था के पूर्व प्रधान धर्म सिंह दहिया, जाट शिक्षण संस्था के अध्यक्ष गुलाब सिंह दिमाणा, प्रदेश सचिव रेनू डाबला, बुधराम सैनी, बलजीत सैनी, गुलाब सिंह सैनी, कंवल सिंह सैनी, सरदार हवा सिंह, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, परमेश्वर पाल, दीपक हुड्डा, गुरनाम सैनी, राजकुमार कपूर, गायक अमित सैनी रोहतकिया, सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी व स्टाफ कार्यक्रम में मौजूद रहा।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा की अधिसूचना जारी करें

हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के प्रदेशाध्यक्ष मनमोहन कथूरिया ने सीएम नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि मीडिया कर्मियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए जल्द से जल्द अधिसूचना जारी की जाए ताकि मीडिया कर्मियों को इसका लाभ मिल सके। ज्ञापन में बताया कि सीएम ने 30 मई को रोहतक में घोषणा की थी कि मीडिया कर्मियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा को जल्द शुरू किया जाएगा।

महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट 21-22 को मनाएगा महाराजा अग्रसेन जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट व महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट की बैठक झज्जर रोड स्थित वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के चेयरमैन राजेश जैन ने की। राजेश जैन ने कहा कि 21 और 22 सितंबर को महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह बड़े धूमधाम से आयोजित करने जा रहा है। इस अवसर पर अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट के संरक्षक राजेश जैन ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जो एक ईंट एक रुपया देकर लोगों का सहयोग करने की परंपरा को शुरू किया था, आज भी उसी परंपरा को कायम रखते हुए लोगों की सहायता की जाती है।

राजेश जैन ने प्राकृतिक खेती से प्राप्त भोजन को ही ग्रहण करने का आह्वान किया, ताकि शरीर स्वस्थ रहे। राजेश जैन ने साफ सफाई के लिए एक क्षेत्र को गोद लेने के लिए ट्रस्ट के सदस्यों को क्षेत्र का नाम 17 सितंबर

रोहतक। वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पत्रकारों से बातचीत करते महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट के संरक्षक राजेश जैन व अन्य पदाधिकारी।

को डीसी को देने का आह्वान किया। 21 सितंबर को ये रहेंगे कार्यक्रम महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर 21 सितंबर को सुबह रक्तदान शिविर,स्वास्थ्य जांच शिविर और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हेल्थ विवि रोहतक के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, डायरेक्टर डॉ. सुरेश सिंघल और उद्योगपति संदीप गर्ग रहेंगे। शाम को वैश्य महिला कॉलेज में 151 दंपति हवन-यज्ञ करेंगे, जिससे वातावरण की शुद्धि होगी।

नशा मुक्त हरियाणा मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, 17 को होगा आयोजन

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 17 सितंबर को रोहतक में अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को सुबह 6 बजे सुभाष चौक से नशा मुक्त हरियाणा मैराथन का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने जिला वासियों से मैराथन में बड़ी संख्या में हिस्सेदारी करने का आह्वान किया है। सचिन गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री स्थानीय सुभाष चौक से स्वच्छता अभियान की भी शुरुआत करेंगे। अमित सैनी रोहतकिया द्वारा स्वच्छता को लेकर गाए गए गीत को भी इस मौके पर लॉन्च किया जाएगा। मैराथन में अंडर-20 कुश्ती की वर्ल्ड चैंपियन सविता, जूनियर एशियन कुश्ती प्रतियोगिता 2025 में स्वर्ण पदक विजेता नेहा शर्मा तथा वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली सुहाना सैनी भी मैराथन में शामिल होंगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा करेंगे शिरकत : डीसी गुप्ता ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी व रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव कार्यक्रम भी दिखाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद नई अनाज मंडी में राज्य स्तरीय विश्वकर्मा जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गुप्ता ने 17 सितंबर के उपरोक्त कार्यक्रमों को लेकर लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। कार्यक्रमों की सफलता के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल परिसर में हिंदी दिवस मनाया

■ प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल परिसर में हिंदी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, सुविचार एवं समाचार वाचन के माध्यम से अपने अद्भुत ज्ञान और हिंदी भाषा के प्रति गहरी आस्था का परिचय दिया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए कबीर के दोहों ने वातावरण को ज्ञान, विचार और प्रेरणा की गंगा से सराबोर कर दिया। वहीं, "मुहावरे", "बूझो तो जाने" और "पहेलियों" जैसी मनोरंजक गतिविधियों ने पूरे प्रांगण में उत्साह का संचार कर दिया। कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने 'शब्दों के जाल' के माध्यम से कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़कर सबका मन मोह लिया। इन गतिविधियों में सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें न केवल विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया बल्कि उपप्रधानाचार्या ऋतु विज, सरोज तथा सुनीता सांगवान ने भी हिंदी भाषा की महत्ता पर प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत किए। पूरे आयोजन का सफल संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष वीना कालरा एवं उनकी टीम के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान तथा स्कूल समन्वयक प्रमिला सांगवान ने सभी उपस्थितजनों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पत्रकार वार्ता विधायक भारत भूषण बत्तरा ने हिंदी दिवस की बधाई दी

सीएम से करेंगे रोहतक के लिए 417 करोड़ स्वीकृत करने की मांग: बत्तरा

2014 से लेकर 2024 तक किसी ने भी चौथे जलघर की नहीं सोची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांग्रेस के शहरी विधायक भारत भूषण बत्तरा ने कहा है कि वे विपक्ष में हैं लेकिन शहर की टूटी सड़कों, पेयजल, सीवर समस्या के स्थाई समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। शहर के विकास के लिए उन्होंने न केवल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की बल्कि अनेक विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों से निरंतर संवाद जारी रखे, और हमें विश्वास है कि इसका लाभ शहर को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह एक बार फिर मुख्यमंत्री से मिलकर कहेंगे कि रोहतक के समाधान के लिए 417 करोड़ रुपए स्वीकृत करें।

विधायक भारत भूषण बत्तरा ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। पेयजल समस्या पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अमृत-1 का 272 करोड़ रुपया आया लेकिन 2014 से लेकर 2024 तक किसी ने भी चौथे जलघर की नहीं सोची, अगर चौथा जलघर बन जाता तो आज यह पानी की समस्या

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक भारत भूषण बत्तरा।

नहीं होती। पानी और सीवर की बहुत सारी पाइपलाइन 50 साल पुरानी हो चुकी है, जिनकी वजह से पूरा शहर विकराल समस्या का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि रोहतक के उपायुक्त ने एक बयान में कहा कि रोहतक के लिए 252 करोड़ रूपया जारी हुआ है, इस बारे में मैने चंडीगढ़ तक लंबी लड़ाई लड़ी है। विधायक ने कहा कि जो टोटल एस्टीमेट भेजा गया था अगर वह शहर के लिए आता तो शहर का कायाकल्प हो जाता हमने आगे तक का समाधान सोचा था। विधायक ने कहा कि 417 करोड़ का बजट आना चाहिए था। उन्होंने खुद जुलाई माह में विधानसभा में विभाग के मंत्री रणवीर गंगवा से निवेदन किया और उन्हें एस्टीमेट की सूची सौंपी। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने भी उन्हें आश्वासन दिया था कि जो प्राथमिकता है उन्हें फंड दिया जाएगा। विधायक ने कहा कि स्थाई समाधान के लिए 417 करोड़ रूपया स्वीकृत होना चाहिए ,जिसमें पुरानी पाइप चेंज हो, सीवरेज चेंज हो और नए सिस्टम डेवलप हो सके।

विधायक ने कहा कि भालोट डिस्ट्रीब्यूटरी व जेएल का पानी प्राकृतिक बहाव में आता है, अपनी स्पीड से नहीं आता इसलिए सोनीपत रोड का वाटर टैंक पूरा भरता नहीं है, अब उनके सुझाव के अनुसार पंपिंग सिस्टम से पानी थ्रो होकर स्पीड से आएगा, फर्स्ट वाटर वर्क्स में एक वाटर टैंक ओर बनाया जाएगा। पहले वाले स्ट्रेचर को ओर मजबूत किया जाएगा । अब जो प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है, उसमें पहले नंबर पर यह है। रोहतक शहर में रो वॉटर सप्लाई के लिए 27 करोड रुपए पंपिंग सिस्टम द्वारा सप्लाई के लिए स्वीकृत हुए हैं। इसके साथ ही 16 करोड़ रुपए पेयजल सप्लाई के लिए पुरानी पाइप लाइन एसी, पीवीसी, सीआई पाइप डेमेज है उन्हें बदलने के लिए स्वीकृत हुए हैं। भारत भूषण बत्तरा ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड का स्ट्रांम वाटर डिस्पोजल 15 करोड़ की लागत से बना।

ये रहे मौजूद

पत्रकार वार्ता में शहरी अध्यक्ष कुलदीप केडी, ग्रामीण अध्यक्ष बलवान रंगा, सूरजमल किलोई, पार्षद विजय गोयल, पूर्व पार्षद अनिल कुमार, गुलशन इशपुनियानी, कदम सिंह अहलावत, सुरेंद्र बत्तरा, शोरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन ईशपुनियानी, योगेंद्र बोस, कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष ताराचंद बागड़ी, बलजीत राणा, अजय धनखड़, तेजवीर सैन, पंकज सचदेवा आदि मौजूद रहे।

समर गोपालपुर में भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन

रोहतक। गांव समर गोपालपुर में समाध वाले मंदिर में बाबा गिरधारी दास द्वारा अस्थल दादू पंथी में हर वर्ष की तरह भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। अस्थल के महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर ज्ञान दास स्वामी महाराज दादू दयाल उत्तरार्ध मंडल के करकमलों द्वारा सतेंद्र शास्त्री कथा वाचक द्वारा शुभारंभ किया गया। इसमें श्रीकृष्ण की महिमा का गुणगान किया जाएगा। हजारों भक्तों को इस ज्ञान सागर में डुबकी लगाने का मौका मिलेगा। मंदिर कमेटी के सदस्य हर्ष परमार, दर्शन परमार, उमेश, प्रदीप, राहुल, अंकित, सुशील, संदीप आदि लोगों ने सहयोग किया।

बहुचर्चित फिल्म प्रेम कबूतर की स्क्रीनिंग की

रोहतक। स्ट्रेंज पिक्चर्स स्टूडियो में बहुचर्चित फीचर फिल्म प्रेम कबूतर की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इसका आयोजन जय भाटिया और अजय लोक पांचाल ने किया। स्क्रीनिंग में फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार अर्जुन शेरावत, पायल अहलावत, जोगिन्दर कुंडू, रामबीर आर्यन, सोनू राठी, सुमन सेन, सुनीता जांगड़ा तथा अभिनेता-आयोजक जय भाटिया मौजूद रहे। फिल्म के लेखक व निर्देशक कृष्ण राठी और निर्माता संजय नंदल भी विशेष रूप से इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्रेम कबूतर की कहानी हरियाणा के एक छोटे कस्बे की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां प्रेम करने वाले नौजवान अपनी पहचान, रिश्तों और समाज की कठोर परंपराओं के बीच जूझते नजर आते हैं। फिल्म का केंद्रीय विषय 'ऑनर किलिंग' है-एक ऐसी सामाजिक बुराई जिसने कई मासूम जिंदगियां निगल ली हैं।